PTEC Monthly NEWS LETTER
Volume 3 February, 2026 Issue 2

विज्ञान और हम

वर्तमान युग को यदि विज्ञान का युग कहा जाए तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। आज मानव जीवन का शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र हो, जहाँ विज्ञान की उपस्थिति न हो। हमारे दैनिक जीवन की छोटी-से-छोटी गतिविधि से लेकर अंतरिक्ष की विशाल यात्राओं तक विज्ञान ने मानव सभ्यता को नई दिशा, गति और पहचान प्रदान की है।

सुबह आँख खुलने से लेकर रात को सोने तक हम विज्ञान से घिरे रहते हैं। बिजली, मोबाइल, इंटरनेट, परिवहन, चिकित्सा, संचार, शिक्षा तथा कृषि—सभी क्षेत्रों में विज्ञान ने जीवन को सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया है। आज ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल पुस्तकालय, स्मार्ट कक्षाएँ और वैज्ञानिक उपकरणों ने सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और रोचक बना दिया है। कोविड-19 जैसे वैश्विक संकट के समय वैज्ञानिक अनुसंधान और वैक्सीन निर्माण ने मानव जीवन की रक्षा कर यह सिद्ध कर दिया कि विज्ञान मानवता का सच्चा सहायक है।

कृषि के क्षेत्र में उन्नत बीज, सिंचाई की आधुनिक तकनीकें और मौसम पूर्वानुमान किसानों के लिए वरदान सिद्ध हो रहे हैं। चिकित्सा विज्ञान ने नई-नई उपचार पद्धतियों और उपकरणों के माध्यम से असाध्य समझी जाने वाली बीमारियों का भी समाधान खोज निकाला है। परिवहन और संचार के साधनों ने विश्व को "वैश्विक गाँव" में परिवर्तित कर दिया है। आज हम कुछ ही क्षणों में देश-विदेश की सूचनाएँ प्राप्त कर सकते हैं।

विज्ञान केवल सुविधाएँ प्रदान करने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह तर्क, जिज्ञासा और खोज की भावना को विकसित करता है। यह हमें अंधविश्वास से दूर रहकर सत्य को प्रमाण और प्रयोग के आधार पर स्वीकार करना सिखाता है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण व्यक्ति को समस्याओं का समाधान खोजने, नवीन विचार विकसित करने तथा समाज के विकास में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशालाएँ, विज्ञान प्रदर्शनी और शोध गतिविधियाँ विद्यार्थियों में रचनात्मकता और नवाचार की भावना को सशक्त बनाती हैं।

हालाँकि विज्ञान के बढ़ते उपयोग के साथ हमारी जिम्मेदारियाँ भी बढ़ जाती हैं। विज्ञान का दुरुपयोग पर्यावरण प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन तथा सामाजिक असंतुलन का कारण बन सकता है। परमाणु शक्ति जहाँ ऊर्जा का स्रोत है, वहीं उसका दुरुपयोग विनाश का कारण भी बन सकता है। इसलिए आवश्यक है कि विज्ञान का उपयोग मानव कल्याण, प्रकृति संरक्षण और सतत विकास के उद्देश्य से किया जाए।

आज के विद्यार्थियों और भावी शिक्षकों का यह कर्तव्य है कि वे वैज्ञानिक सोच को समाज तक पहुँचाएँ तथा नई पीढ़ी में जिज्ञासा, प्रयोगशीलता और नवाचार की भावना विकसित करें। जब विज्ञान मानव मूल्यों—नैतिकता, करुणा और जिम्मेदारी—के साथ जुड़ता है, तभी वह वास्तविक प्रगति का मार्ग प्रशस्त करता है।

अतः कहा जा सकता है कि विज्ञान और हम एक-दूसरे के पूरक हैं। विज्ञान हमारे जीवन को आगे बढ़ाने की शक्ति है, और उसका सही, संतुलित एवं नैतिक उपयोग ही उज्ज्वल, समृद्ध एवं प्रगतिशील समाज की सुदृढ़ नींव रख सकता है।

संपादकीय

संत जॉन डी ब्रिटो

आज, **4 फ़रवरी**, को कैथोलिक कलीसिया **संत जॉन डी ब्रिटो** का पर्व मनाती है। वे एक महान पुर्तगाली जेसुइट मिशनरी थे, जिन्होंने दक्षिण भारत में ईसाई धर्म के प्रसार के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्हें अक्सर *"पुर्तगाली संत फ्रांसिस जेवियर"* भी कहा जाता है। संत जॉन डी ब्रिटो ने भारतीय संस्कृति और रीति-रिवाजों को अपनाया, एक तपस्वी की तरह जीवन जिया और अंततः अपने विश्वास के लिए शहादत प्राप्त की।

प्रारंभिक जीवन और मिशनरी कार्य

संत जॉन डी ब्रिटो का जन्म **1 मार्च 1647** को पुर्तगाल के **लिस्बन** नगर में एक कुलीन परिवार में हुआ। उनके पिता **सल्वाडोर डी ब्रिटो परेरा** ब्राज़ील के वायसराय थे, किंतु पद पर रहते हुए ही उनका निधन हो गया। ग्यारह वर्ष की आयु में जॉन डी ब्रिटो गंभीर रूप से बीमार पड़ गए।

ब्रिटो डे

उनकी माता ने संत फ्रांसिस जेवियर से उनके स्वस्थ होने की प्रार्थना की और यह मन्नत मानी कि यदि उनका पुत्र स्वस्थ हो गया, तो वह एक वर्ष तक जेसुइट चोगा पहनाएंगी। चमत्कारिक रूप से वे स्वस्थ हो गए और उन्होंने वचन के अनुसार एक वर्ष तक चोगा धारण किया।

इस अनुभव से प्रेरित होकर जॉन डी ब्रिटो ने **1662** में जेसुइट समाज में प्रवेश करने का निर्णय लिया। **1673** में वे एक मिशनरी के रूप में भारत आए और तमिलनाडु के **मदुरै क्षेत्र** में कार्य करने लगे। उन्होंने स्थानीय संस्कृति को अपनाते हुए तमिल सन्यासी की तरह पीले सूती वस्त्र धारण किए और **"अरुल आनंदर" (ईश्वर का आनंद)** नाम से ईसाई धर्म का प्रचार किया। भारतीय परंपराओं की उनकी गहरी समझ ने उन्हें लोगों के बीच लोकप्रिय बना दिया।

हालाँकि, उनकी सफलता से स्थानीय शासक असंतुष्ट हो गए। परिणामस्वरूप **1684** में उन्हें कारावास की सज़ा दी गई और भारत से निष्कासित कर दिया गया। वे **1687** में लिस्बन लौटे, लेकिन उनका मिशनरी उत्साह कम नहीं हुआ। अंततः **1690** में वे 24 अन्य मिशनरियों के साथ पुनः तमिलनाडु लौट आए।

शहादत और विरासत

संत जॉन डी ब्रिटो के धर्मोपदेश से एक स्थानीय राजकुमार ईसाई धर्म स्वीकार कर लिया। इस धर्मांतरण के कारण उसे अपनी अनेक पत्नियों को त्यागना पड़ा, जिनमें से एक **रामनाथपुरम के राजा रघुनाथ किलवन सेतुपति** की भतीजी थी। इससे क्रोधित होकर राजा ने ईसाइयों पर अत्याचार आरंभ कर दिए।

संत जॉन डी ब्रितो और उनके सहयोगियों को गिरफ़्तार कर लिया गया और **ओरूर** (चेन्नई से लगभग 450 किलोमीटर दक्षिण) ले जाया गया। अंततः **4 फ़रवरी 1693** को उनका सिर कलम कर दिया गया। इस प्रकार उन्होंने अपने विश्वास के लिए प्राण न्योछावर कर दिए।

उन्हें **1853** में पोप पियुस IX द्वारा *धन्य* घोषित किया गया और **1947** में पोप पायस बारहवें द्वारा *संत* की उपाधि प्रदान की गई।

ब्रिटो दल का चटपटा अनुभव

मैं प्रेरणा कुजूर, ब्रिटो दल की सदस्य, आप सभी के सामने अपने लाल दल के जोश, जुनून और सीख से भरे अनुभव साझा कर रही हूँ। सच ही कहा गया है—

"अनुभव सबसे बड़ा शिक्षक होता है।"

महाविद्यालय में प्रवेश के समय हमें नहीं पता था कि हम किस दल में होंगे। जब पहली बार "ब्रिटो" नाम सुना और पता चला कि यह **लाल दल** है, तो मन उत्साह से भर गया। लाल रंग—जोश, साहस और नेतृत्व का प्रतीक बन गया।

धान रोपाई हमारे लिए एक नया अनुभव था। कीचड़ में उतरकर, मेहनत करते हुए हमने किसान के श्रम का वास्तविक मूल्य जाना। एकता और सहयोग के साथ हर काम किया और कभी हार नहीं मानी। कटनी के समय भी दलदली मिट्टी और भारी बोझ के बावजूद हमने पूरे जोश से कार्य किया।

संत जॉन डी ब्रितो के बलिदान की स्मृति में हमारा दल लाल है। ओरैयूर की बलिदानी मिट्टी से प्रेरित होकर हमने सेवा, त्याग और प्रेम को अपना आदर्श बनाया।

स्वतंत्रता और गणतंत्र दिवस की परेड में पीछे से आगे तक की यात्रा, तथा खेलकूद में नेतृत्व करना—यह सब हमारी मेहनत और अनुशासन का फल है।

स्पोर्ट्स सीज़न में हमने हर प्रतियोगिता में पूरी शक्ति लगाई। फाइनल में एक अंक से दूसरा स्थान मिला, फिर भी मन में संतोष था—क्योंकि खेल-भावना और करुणा हमारी सच्ची जीत थी।

संत जॉन डी ब्रितो से मिली प्रेरणा

- सेवा, त्याग और प्रेम
- निडरता और दृढ़ता
- दूसरों की भलाई
- विश्वास और करुणा

अंत में मैं यही कहना चाहूँगी—

अनुभवों को अपनाइए, वे ही हमें बेहतर इंसान बनाते हैं।

जोश, जुनून और साहस की पहचान—
हमारा लाल दल है सबसे कमाल!

प्रेरणा कुजूर (ब्रिटो दल)

ब्रिटो दल के इंचार्ज व्याख्यातागण

प्रदर्शनी-एक मिशाल

प्रदर्शनी के उस छोटे से द्वार से,
खुलती थी एक नई दुनिया अपार से।
रंगों की खुशबू, रोशनी की धार
हर कोने में सजी थी मेहनत की बहार।

कहीं चित्रों में सपनों का विस्तार,
कहीं विज्ञान के चमत्कारों का संसार।
नन्हें हाथों ने गढ़ी थी कल्पना नई,
हर मॉडल में हुयी थी कोशिश सजीव हुई।

मिट्टी के खिलौने, लकड़ी की कला,
हर रचना में दिखता था श्रम का उजाला।
गीतों की धुन और तालियों की गूंज,
हर दिन में जागी थी उल्लाह की पूँज।

प्रदर्शनी केवल वस्तुओं का मेल नहीं,
यह मेहनत, विश्वास और लगन का खेल सही।
यह सिखाती है आगे बढ़ना हर हाल में,
अपनी पहचान बनाना हर सवाल में।

जो देखे, वो प्रेरणा साथ ले जाए,
अपने सपनों को सच करने की राह पाए।
प्रदर्शनी बन जाए जीवन की मशाल,
यहाँ हर कोशिश हो सफलता का कमाल।

अरविन्द टोप्पो
प्रथम वर्ष 'ब'

Science and Art & Craft Exhibition Experience

The **Science and Art & Craft Exhibition** held on **27/02/2026** was truly a day filled with happiness, learning, creativity, and self-expression. The preparations for this grand event began a few weeks earlier. At the beginning, we had no clear ideas and our minds were almost blank. However, after receiving guidance and instructions from our teachers and coordinators, we began to think creatively and started working on our projects and ideas. As the preparation progressed, we worked hard to complete our models and artworks. Two days before the final presentation, we had a rehearsal which helped us identify our mistakes and improve our presentations. This rehearsal proved very useful and gave us confidence for the final day.

The exhibition day was truly extraordinary. Each and every person involved performed their responsibilities sincerely and enthusiastically. Our efforts were appreciated by the Chief Guest and other guests who visited the exhibition. Their encouraging words motivated us even more. Personally, I gained a lot of knowledge and valuable experience through this exhibition. I learned many new things that I had never done before. The constant guidance and support from our teachers inspired me to work harder on my project. The artwork I prepared was completely new for me, but with the help and encouragement of my teachers and fellow classmates, I was able to complete it successfully.

I was pleasantly surprised when the results were announced because I was not expecting to receive a prize. Winning this prize in the **Art & Craft category** became possible because of the constant guidance of teachers, the helping hands of my friends, and the encouragement from everyone around me.

Through this experience, I learned that **sharing ideas and helping each other can transform a simple work into something extraordinary**.

Thank you everyone who supported and encouraged us.

Atul Vivek Ekka
First Year 'B'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेना मेरे लिए बहुत ही उत्साहजनक और प्रेरणादायक अनुभव रहा। इस प्रदर्शनी में सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने समूह में कला-शिल्प प्रोजेक्ट और विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए। वहाँ कई प्रकार के आकर्षक मॉडल देखने को मिले, जैसे कृत्रिम वर्षा, चलता-फिरता रोबोट, झूमर, फूल-गुच्छा आदि।

मुझे भी अपने मॉडल को सभी के सामने समझाने का अवसर मिला। शुरुआत में मुझे थोड़ा डर और घबराहट महसूस हो रहा था, लेकिन जब लोगों ने मेरे मॉडल में रुचि दिखाई और उससे संबंधित प्रश्न पूछे, तो मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया। उसके बाद मुझे अपने मॉडल के बारे में बताने में बिल्कुल भी संकोच नहीं हुआ।

शिक्षकों और निर्णायकों ने हमारे मॉडल की सराहना की और कुछ महत्वपूर्ण सुधार के सुझाव भी दिए। इन सुझावों से मुझे और मेरे समूह को बहुत कुछ नया सीखने को मिला। प्रदर्शनी में अन्य विद्यार्थियों के मॉडल देखकर भी कई नई जानकारियाँ प्राप्त हुईं।

इस प्रदर्शनी से यह समझ में आया कि विज्ञान और कला-शिल्प केवल किताबों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे दैनिक जीवन से भी गहराई से जुड़े हुए हैं।

कुल मिलाकर, विज्ञान प्रदर्शनी का यह अनुभव मेरे लिए अत्यंत प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद और यादगार रहा। इससे मेरी सोचने-समझने की क्षमता और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई।

अनिश होरो
प्रथम वर्ष 'ब'

My Experience in Science & Art and Craft Exhibition

My experience in the **Science and Art & Craft Exhibition** was very interesting and memorable. In the **Art & Craft category**, our group had two members—myself and my companion. We decided to make a **Quilling Art craft**.

At first, by looking at the craft, it seemed very easy to make. However, when we actually started working on the quilling art, we realized that it required a lot of patience, effort, and creativity. It was not as easy as we had thought. We spent several days carefully making small quilling shapes and arranging them properly.

Sometimes the work felt difficult and time-consuming, but we continued with determination. Slowly and steadily our craft started taking shape. After many days of hard work and concentration, we were finally able to complete our craft and submit it on time.

Although the process was challenging, the experience was very enjoyable and meaningful. Through this activity, I learned the importance of **patience, teamwork, creativity and dedication**. Overall, it was a wonderful learning experience for me.

Anushka Angel
First year 'B'

विज्ञान प्रदर्शनी

27/02/2026 को हमारे महाविद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में सभी विद्यार्थियों को अलग-अलग मॉडल और कला-शिल्प बनाने का अवसर दिया गया। प्रदर्शनी को विभिन्न भागों में विभाजित किया गया था, जैसे—आर्ट एंड क्राफ्ट आदि।

मेरा समूह तीन सदस्यों का था। हम तीनों ने आपस में विचार-विमर्श किया और तय किया कि हम एक ऐसा मॉडल बनाएँगे जो सांस्कृतिक और घर की सजावट से जुड़ा हुआ हो। इसके बाद हमने **वारली कला और पर्ल कला** से संबंधित एक सुंदर मॉडल बनाने का निर्णय लिया।

शुरुआत में आवश्यक सामग्री नहीं मिलने के कारण हमें काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मॉडल बनाते समय भी कई चुनौतियाँ आईं। शीशे के छोटे-छोटे टुकड़ों और मोतियों को बहुत ही सावधानी से चार्ट पेपर पर चिपकाना पड़ता था। देखने में यह काम आसान लग रहा था, मानो बच्चों का खेल हो, लेकिन वास्तव में इसे बनाते समय काफी धैर्य और मेहनत की आवश्यकता पड़ रही थी।

फिर भी हम तीनों ने मिलकर सहयोग और लगन के साथ अपने कार्य को पूरा किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से हमें **सहयोग की भावना, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता** के महत्व को समझने का अवसर मिला।

कुल मिलाकर, विज्ञान प्रदर्शनी का यह अनुभव हमारे लिए बहुत ही रोचक, शिक्षाप्रद और यादगार रहा।

अंकिता कुजूर
प्रथम वर्ष 'ब'

विज्ञान दिवस

विज्ञान दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसी अवसर पर हमारे महाविद्यालय में भी **22 फरवरी** को विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भी आमंत्रित किए गए थे। सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने मिलकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

कार्यक्रम के दौरान विज्ञान प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने मेहनत और लगन से अपने-अपने मॉडल और प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। यह मेरे महाविद्यालय का पहला विज्ञान प्रदर्शनी अनुभव था। इस प्रदर्शनी में हम दो लोगों के समूह ने मिलकर अपने परिश्रम और सहयोग से अपना मॉडल तैयार किया और उसे प्रदर्शनी में प्रस्तुत किया।

शुरुआत में मुझे अपने मॉडल के बारे में सबके सामने बोलने में थोड़ा संकोच हो रहा था, लेकिन धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा और मैं अपने कार्य को अच्छी तरह से समझा पाई। इस अनुभव से मुझे बहुत खुशी मिली और मेरे आत्मविश्वास में भी वृद्धि हुई।

इस कार्यक्रम के माध्यम से हमें यह समझने का अवसर मिला कि विज्ञान हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसके माध्यम से हम नई-नई जानकारियाँ प्राप्त कर सकते हैं।

कुल मिलाकर, विज्ञान दिवस का यह कार्यक्रम मेरे लिए बहुत ही **प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद और यादगार** अनुभव रहा।

अंजली कुमारी
प्रथम वर्ष

विज्ञान प्रदर्शनी का मेरा अनुभव

"जहाँ सवालों से जन्म लेता है ज्ञान, वहीं विज्ञान की किताब बनती है। विज्ञान प्रदर्शनी में बच्चों की प्रतिभा के कमाल दिखते हैं और उनका उज्ज्वल भविष्य निखरकर सामने आता है।"

विज्ञान प्रदर्शनी एक ऐसी प्रक्रिया है जो विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और जिज्ञासा को विकसित करती है। जैसा कि हम जानते हैं कि हर वर्ष **फरवरी महीने में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस** मनाया जाता है। इसी अवसर पर हमारे महाविद्यालय में भी **27/02/2026** को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

मेरे लिए यह दिन बहुत ही विशेष और यादगार रहा, क्योंकि मुझे इस अवसर पर एक आकर्षक **विज्ञान गीत** प्रस्तुत करने का मौका मिला। इस गीत के दौरान मुझे पियानो/कीबोर्ड बजाने का भी अवसर मिला। शुरू में मुझे थोड़ी घबराहट हो रही थी, क्योंकि मैंने पहले कभी इस तरह मंच पर प्रदर्शन नहीं किया था। लेकिन अभ्यास और ईश्वर की कृपा से मेरा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। इस अनुभव से मुझे यह सीखने को मिला कि लगातार अभ्यास करने से हमारी प्रतिभा निखरती है।

विज्ञान प्रदर्शनी में मुझे और मेरे समूह को एक **कलाकृति (मॉडल)** बनाने का अवसर मिला। हमने मिलकर **सदनी जलप्रपात और पहाड़ी गाँव** का मॉडल तैयार किया। इस मॉडल को बनाने का अनुभव बहुत ही रोचक और आनंददायक रहा। मेरे लिए यह और भी खास इसलिए था क्योंकि स्कूल के बाद यह दूसरी बार था जब मुझे कॉलेज की प्रदर्शनी में भाग लेने का अवसर मिला।

प्रदर्शनी के दौरान दर्शकों ने हमारे मॉडल से संबंधित कई प्रश्न पूछे। कुछ प्रश्न थोड़े कठिन भी थे, लेकिन हमने अपने अनुभव और समझ के आधार पर उनका उत्तर देने का प्रयास किया। इससे हमें बहुत उत्साह और खुशी मिली।

इस प्रकार विज्ञान हमें हमारे भावी जीवन के लिए प्रेरित करता है और नई-नई खोज करने के लिए उत्साहित करता है।

इसलिए कहा जाता है—

विज्ञान की राह पर चलो, नए सपनों को सच करो,
प्रयोगों से दुनिया बदलो, ज्ञान की रोशनी से अँधेरा दूर करो।

अभिषेक टोप्पो
प्रथम वर्ष 'ब'

विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लेना मेरे लिए एक नया और उत्साहजनक अनुभव था। यद्यपि मैंने पहले बहुत बार कला-शिल्प से संबंधित गतिविधियों में भाग लिया था, लेकिन इस प्रकार की प्रदर्शनी में भाग लेना मेरे लिए पहली बार था।

इस प्रदर्शनी की तैयारी हम लोगों ने लगभग एक महीने पहले से ही शुरू कर दी थी। तैयारी के दौरान हमें कई नई चीज़ें सीखने का अवसर मिला। इससे मेरा आत्मविश्वास भी बढ़ा और कला के प्रति मेरी रुचि और अधिक विकसित हुई। हम सभी समूहों में काम कर रहे थे और प्रत्येक समूह के सदस्य बहुत उत्साहित थे।

प्रदर्शनी के दिन कार्यक्रम की शुरुआत स्वागत गीत के साथ हुई। इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि **संजय मिंज** जी उपस्थित थे। उन्होंने हमें बहुत ही प्रेरणादायक बातें बताईं और नई-नई चीज़ें सीखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि सीखना और सिखाना जीवन का एक महत्वपूर्ण और मूल्यवान कार्य है।

प्रदर्शनी में बच्चों और शिक्षकों के द्वारा बनाए गए अनेक मॉडल और कला-शिल्प प्रस्तुत किए गए। शुरुआत में मुझे अपने मॉडल के बारे में बताने में थोड़ी घबराहट हो रही थी, लेकिन धीरे-धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ गया और मैं अपने कार्य को अच्छी तरह से समझा पाई।

कुल मिलाकर, विज्ञान प्रदर्शनी का यह अनुभव मेरे लिए बहुत ही प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद और यादगार रहा।

अनामिका गिद्ध
प्रथम वर्ष 'ब'

Science Exhibition & Art & Craft – My Experience

27th February 2026 was a memorable day for me because our **Science Exhibition and Art & Craft Exhibition** was held on that day. It was my **first experience** of participating in such an exhibition, and I learned many new things from it.

At the beginning, we were divided into groups and each group was given a specific topic. My group members and I started discussing our topic. At first, we were a little nervous but also very excited to create our project.

Before starting our work, we gathered knowledge about the topic. In the beginning, the task seemed very difficult, but as the days passed, our confidence increased. Our group decided to prepare a **clock frame and cylindrical design** in which we planned to place the photos of our teachers and our Principal.

While we were working on our project, our teachers regularly visited us and gave valuable suggestions to improve our work. Their guidance was very helpful and encouraged us to do better. This experience helped us develop **confidence, teamwork, and the spirit of learning from others**.

On the day of the exhibition, the **inauguration ceremony was conducted by the Chief Guest, Mr. Sanjay Minj**. During the exhibition, many people came to see our project. We confidently explained our project to the visitors and tried our best to answer their questions.

We had to stand for almost **two to three hours**, continuously explaining our project to visitors, which made us feel tired.

This exhibition taught us many valuable lessons:

- **How to cooperate and work together in a team**
- **How to solve problems**
- **How to create and invent new ideas**
- **How to behave politely with others**
- **How to improve our confidence and public speaking skills**

Overall, this day was **fabulous, educational, and truly memorable for me**.

Avinash Toppo
First Year 'B'

विज्ञान प्रदर्शनी का मेरा अनुभव

कहा जाता है कि **पढ़ाई के साथ यदि कुछ नया करने की सोच हो, तो व्यक्ति अपनी प्रतिभा को निखार सकता है।** हमारे महाविद्यालय ने हमें इसी सोच और प्रतिभा को निखारने का एक सुनहरा अवसर प्रदान किया। विज्ञान प्रदर्शनी ने सभी प्रशिक्षार्थियों को अपनी रचनात्मकता और कौशल दिखाने का एक विशेष मंच दिया।

देखते ही देखते हम सभी के मन में अपने-अपने सपनों को साकार करने की एक अलग ही दुनिया बनने लगी। कभी जो कल्पनाएँ केवल ख्वाबों में होती थीं, उन्हें आज हमने हकीकत के रूप में प्रस्तुत करने का प्रयास किया। हालाँकि यह कार्य इतना आसान नहीं था; इसे वास्तविक रूप देने के लिए हम सभी को कड़ी मेहनत करनी पड़ी।

इस मेहनत का परिणाम प्रदर्शनी में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था। किसी ने विज्ञान के माध्यम से अपनी प्रतिभा दिखाई, तो किसी ने कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। हर मॉडल और कलाकृति एक-दूसरे से बढ़कर थी।

यह प्रदर्शनी हमारे लिए **रचनात्मकता, जिज्ञासा और वैज्ञानिक सोच का अद्भुत संगम** बन गई। यहाँ हमने रोबोटिक्स, पर्यावरण संरक्षण और विभिन्न वर्किंग मॉडलों के माध्यम से भविष्य की एक झलक प्रस्तुत की।

यह मंच हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हुआ, क्योंकि यहाँ हमने अपनी कल्पनाओं को वास्तविक रूप दिया। इस अनुभव ने हमारे भीतर **टीमवर्क की भावना, आत्मविश्वास और सीखने की नई प्रेरणा** को और अधिक मजबूत किया।

कहें तो यह पल हमारे जीवन के ऐसे यादगार क्षण बन गए हैं, जिन्हें हम कभी नहीं भूल पाएँगे।

अनुभा टोप्पो
प्रथम वर्ष 'अ'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में **27 फरवरी 2026** को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी की तैयारी हमने लगभग एक महीने पहले से शुरू कर दी थी। विज्ञान प्रदर्शनी में सभी विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में बांटा गया और प्रत्येक समूह को एक विशिष्ट शीर्षक दिया गया।

मेरे समूह (Group No. 7) को **"बहुउद्देश्यीय चूल्हा (Multipurpose Stove)"** बनाने का कार्य दिया गया। हमने मिलकर इस चूल्हे को सावधानीपूर्वक तैयार किया। शुरुआत में यह काम चुनौतीपूर्ण लग रहा था, क्योंकि हमें इसे सुरक्षित और सही तरीके से बनाना था। लेकिन सभी समूह सदस्यों ने मिलकर मेहनत की और अंततः एक नया और उपयोगी बहुउद्देश्यीय चूल्हा तैयार किया।

प्रदर्शनी के दिन मुझे थोड़ी घबराहट हो रही थी। मुझे डर था कि मैं दर्शकों को अपने प्रोजेक्ट के बारे में सही से समझा पाऊँगी। लेकिन जैसे ही मैंने अपने समूह के साथ मॉडल के प्रयोग और कार्यप्रणाली को समझाना शुरू किया, मेरा आत्मविश्वास बढ़ा। हमने अपने चूल्हे में दीपक जलाकर प्रदर्शनी में प्रदर्शन किया और अंधकार को दूर किया। इस अनुभव ने न केवल मेरा डर दूर किया, बल्कि मेरे अंदर **वैज्ञानिक सोच और समस्या सुलझाने की क्षमता** को भी विकसित किया।

कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी मेरे लिए एक **शिक्षाप्रद, प्रेरणादायक और यादगार अनुभव** रही।

असियन एक्का
प्रथम वर्ष 'अ'

विज्ञान सह कला प्रदर्शनी का अनुभव

"विज्ञान है हमारे जीवन का आधार,
विज्ञान ने हर मुश्किल को किया आसान,
विज्ञान ने संसार को दिया एक नया अवतार।"

दिनांक **27/02/2026** को हमारे महाविद्यालय में **विज्ञान सह कला प्रदर्शनी** का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में सभी प्रशिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत उद्घाटन समारोह से हुई, जिसमें मुख्य अतिथि ने अपने प्रेरणादायक भाषण के माध्यम से हम सभी को आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय के चारों समूहों ने अपने-अपने मॉडल और कलाकृतियाँ प्रस्तुत कीं। सभी ने मिलकर एकता और सहयोग की भावना के साथ कार्य किया। सच ही कहा गया है कि **एकता में ही शक्ति होती है**, और जब सभी मिलकर काम करते हैं तो कठिन से कठिन कार्य भी आसानी से पूरा हो जाता है। प्रदर्शनी में प्रस्तुत सभी मॉडल और कलाकृतियाँ बहुत आकर्षक थीं, जिन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

मैंने भी अपने मित्रों के साथ मिलकर **"ग्लोबल वार्मिंग"** विषय पर एक मॉडल तैयार किया था। इस मॉडल के माध्यम से हमने यह बताया कि प्रदूषण और पेड़ों की कटाई के कारण पृथ्वी का तापमान लगातार बढ़ रहा है। इस विषय के माध्यम से हमने लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का प्रयास किया।

प्रदर्शनी में कई रोचक वैज्ञानिक मॉडल और हस्तकला भी देखने को मिले। सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने प्रोजेक्ट को बहुत अच्छे ढंग से प्रस्तुत किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से मुझे नई-नई चीज़ें बनाने और वैज्ञानिक जानकारियाँ सीखने का अवसर मिला।

इस अनुभव ने मेरा **आत्मविश्वास बढ़ाया** और मुझे यह समझने का अवसर दिया कि विज्ञान हमारे जीवन में कितना महत्वपूर्ण स्थान रखता है।

कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी मेरे लिए बहुत ही **प्रेरणादायक, शिक्षाप्रद और यादगार अनुभव** रहा।

अंजू आईन्द
प्रथम वर्ष 'अ'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में **27 फरवरी 2026** को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी एक अत्यंत **ज्ञानवर्धक कार्यक्रम** है, जो विद्यार्थियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी विद्यार्थियों में **जिज्ञासा, नवीन विचार और वैज्ञानिक सोच** को बढ़ावा देती है। इस प्रदर्शनी में हमलोग विभिन्न **वैज्ञानिक प्रयोगों और मॉडल्स** के माध्यम से वास्तविक जीवन की समस्याओं और उनके समाधान प्रस्तुत करते हैं।

विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि के आगमन के साथ हुआ। सबसे पहले मुख्य अतिथि का स्वागत किया गया और उन्हें **फूलों का गुलदस्ता** एवं **सम्मान पत्र** भेंट किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा उद्घाटन करने के बाद प्रदर्शनी की शुरुआत हुई।

हमारे समूह ने **"ग्लोबल वार्मिंग"** विषय पर एक मॉडल बनाया। हमने पूरी लगन और मेहनत से यह मॉडल तैयार किया। इसके माध्यम से हमने यह दर्शाने का प्रयास किया कि पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है और इसके कारण हैं—पेड़ों की कटाई, प्रदूषण, जीवाश्म ईंधन का जलना आदि। साथ ही, हमने **वैश्विक तापमान को कम करने के उपाय** भी प्रस्तुत किए। हमारा मॉडल दर्शकों के लिए बहुत आकर्षक रहा और हमें इसे समझाने का अवसर मिला।

इस प्रदर्शनी में काम करने और अपने मॉडल को समझाने के दौरान मेरा **आत्मविश्वास बढ़ा**। इस अनुभव ने मुझे यह महसूस कराया कि विज्ञान केवल ज्ञान पाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह **समस्या सुलझाने और नए विचार उत्पन्न करने का अवसर भी प्रदान करता है**। विज्ञान प्रदर्शनी न केवल विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान देती है, बल्कि उन्हें भविष्य के शोध और अनुसंधान के लिए प्रेरित भी करती है।

अनिशा एक्का
प्रथम वर्ष 'अ'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

27 फरवरी 2026 को हमारे महाविद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह मेरे जीवन का **सबसे यादगार और प्रेरणादायक अनुभव** रहा, क्योंकि यह मेरी पहली विज्ञान प्रदर्शनी थी।

मैंने इस प्रदर्शनी के लिए लगभग एक महीना पहले से तैयारी शुरू कर दी थी। मुझे अपने समूह के साथ **बहुउद्देश्यीय चूल्हा (Multipurpose Stove)** बनाने का कार्य मिला। इसके लिए मिट्टी और अन्य आवश्यक सामग्री की आवश्यकता थी।

तैयारी के पहले दिन हमने मिट्टी इकट्ठा की और आवश्यक सामान एकत्र किया। शुरू में मिट्टी को आकार देना और चूल्हा बनाना मेरे लिए कठिन था। लेकिन धीरे-धीरे हम सबने मिलकर चूल्हे का डिज़ाइन तैयार किया और उसका निर्माण किया। इस प्रक्रिया में मुझे थोड़ा डर और उत्सुकता महसूस हो रही थी, क्योंकि यह मेरा पहला अनुभव था।

प्रदर्शनी के दिन मुझे अपने मॉडल को दर्शकों के सामने **व्याख्यान और स्पष्टीकरण देने** का अवसर मिला। शुरुआत में थोड़ी घबराहट थी, लेकिन जैसे-जैसे मैंने मॉडल और उसके कार्य को समझाना शुरू किया, मेरा **आत्मविश्वास बढ़ा**। मैंने अपने अनुभव और मेहनत के माध्यम से दर्शकों को पूरी तरह समझाया कि यह बहुउद्देश्यीय चूल्हा कैसे कार्य करता है और इसके फायदे क्या हैं।

इस प्रदर्शनी ने मुझे यह सिखाया कि **कड़ी मेहनत, योजना और टीमवर्क** से किसी भी कठिन कार्य को पूरा किया जा सकता है। यह अनुभव मेरे लिए न केवल **ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक** रहा, बल्कि इसने मेरे **आत्मविश्वास और समस्या सुलझाने की क्षमता** को भी बढ़ाया।

कुल मिलाकर, यह दिन मेरे जीवन का एक **अत्यंत यादगार और प्रेरक अनुभव** रहा, जिसने मुझे आगे भी नई चीजें सीखने और अपनाने की प्रेरणा दी।

बसंती टुडू
प्रथम वर्ष 'अ'

African doll

& BOUQUETS

GROUP NO - 4
CANVAS PAINTING AND PHOTO FRAME

GROUP NO.: 7
(SHARK)

DIFFERENT ARTS FROM

STRUCTURE PAINTING

MUFFLUR AND HAND MADE BAG

Attari-Wagah Border
INDIA

उन का फूलदान
कार्डबोर्ड से फूलदान

SATIN RIBBON BOUQUET

Group-No.
PEACOCK ART

UTTERFLY

ST. FRANCIS

ABLE LAMP

GROUP NO.

REP TULIP BOUQUET
GROUP NO:

PORTANCE OF

ULTURAL POT

GLADIUS
FLOWER

विज्ञान प्रदर्शनी एवं कला

विज्ञान दिवस हर वर्ष महान वैज्ञानिकों की खोज और योगदान की स्मृति में मनाया जाता है। हमारे महाविद्यालय में इस वर्ष **27 फरवरी 2028** को **विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी** का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि **संजय मिंज** द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस प्रदर्शनी में पिछले वर्षों की तुलना में इस बार बहुत ही **शानदार और आकर्षक प्रदर्शन** हुए। विद्यार्थियों ने विभिन्न **मॉडल्स, वर्किंग प्रोजेक्ट्स और कलाकृतियाँ** प्रस्तुत कीं, जिन्होंने सभी का ध्यान आकर्षित किया। नए-नए विचार और कलाओं को निखारने का यह एक उत्कृष्ट अवसर रहा।

इस प्रदर्शनी में **वर्किंग मॉडल्स और प्रोजेक्ट्स** के माध्यम से विद्यार्थियों ने यह दिखाया कि कैसे हम **पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा संरक्षण और तकनीकी नवाचार** के माध्यम से समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। साथ ही, विज्ञान और कला दोनों का संगम विद्यार्थियों में **रचनात्मकता, जिज्ञासा और नवीन सोच** को बढ़ावा देता है।

इस प्रकार की प्रदर्शनी हमें यह सिखाती है कि विज्ञान और कला केवल अध्ययन के लिए नहीं हैं, बल्कि हमारे **दैनिक जीवन और भविष्य की चुनौतियों को हल करने** में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस प्रदर्शनी ने विद्यार्थियों के लिए **ज्ञानवर्धन, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमता** बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई।

कुल मिलाकर, यह आयोजन हमारे जीवन के लिए **प्रेरणादायक और यादगार अनुभव** साबित हुआ।

शांति सुरीन
द्वितीय वर्ष 'ब'

विज्ञान प्रदर्शनी

विज्ञान प्रदर्शनी हमारे अंदर **वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता** को निखारने का अवसर देती है। विज्ञान वह क्षेत्र है जिसमें व्यक्ति अपनी मेहनत और लगन से कुछ नया सीखता है या कुछ नई चीजें बनाने का प्रयास करता है। इन सब गतिविधियों का उद्देश्य हमारे **सोचने और तर्क करने की क्षमता** को विकसित करना है।

हमारे महाविद्यालय में भी **27/02/2026** को, पिछले वर्षों की तरह, विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह केवल अपने बनाए हुए मॉडल और कला को दिखाने का अवसर नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाना और आपसी सहयोग एवं प्रेम की भावना बढ़ाना भी संभव होता है।

प्रदर्शनी की तैयारी के दौरान और कार्यक्रम के दिन मेरा अनुभव बहुत ही खास रहा। हमारे समूह ने पूरी लगन और सहयोग के साथ मिलकर मॉडल और कला-शिल्प तैयार किए। हम सभी ने हाथ मिलाकर मेहनत की और अपने प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक प्रस्तुत किया। इस अनुभव से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला।

हमारे समूह का विषय था **"बेकार वस्तुओं से सजावटी सामग्री बनाना"**। इस प्रदर्शनी से पहले मैं कई वस्तुओं जैसे **न्यूजपेपर, मूंगफली के छिलके और कंकड़** को केवल बेकार समझती थी। लेकिन इस अनुभव ने मुझे यह सिखाया कि **पर्यावरण में मौजूद हर वस्तु का महत्व है** और हमें उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करना चाहिए।

कुल मिलाकर, यह प्रदर्शनी मेरे लिए **ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक और यादगार अनुभव** रही।

तनवी केरकेट्टा
द्वितीय वर्ष

विज्ञान प्रदर्शनी

PTEC में विज्ञान प्रदर्शनी बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विज्ञान वह क्षेत्र है जो मनुष्य की **वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता** को उत्पन्न करता है और व्यक्ति के **व्यक्तित्व व सोच के विकास** में मदद करता है।

विज्ञान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय ने सभी प्रशिक्षणार्थियों के लिए **कला और विज्ञान प्रदर्शनी** का आयोजन किया। इस प्रदर्शनी के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी ने अपनी **कलात्मक क्षमताओं, कौशल और प्रतिभा** को प्रदर्शित करने का अवसर पाया। हमने विभिन्न प्रकार की **कलाकृतियाँ और मॉडल्स** तैयार किए और समूह में मिलकर कार्य किया। प्रत्येक समूह ने अपने विचारों का तालमेल बैठाकर कार्य को सफलता पूर्वक पूरा किया।

इस प्रदर्शनी में भाग लेकर मुझे अत्यंत **खुशी और संतोष** का अनुभव प्राप्त हुआ। एक प्रशिक्षक के रूप में यह देखना बहुत ही प्रेरणादायक था कि विद्यार्थियों ने **शिक्षा के साथ-साथ अपने व्यक्तित्व, रुचि, कला और योग्यता** को भी विकसित किया। इस प्रदर्शनी ने हमें यह समझाया कि प्रत्येक विद्यार्थी के अंदर **छिपी हुई क्षमताएँ** और प्रतिभा को सही अवसर मिलने पर किस तरह निखारा जा सकता है।

यह प्रदर्शनी वास्तव में विद्यार्थियों के लिए एक **सुनहरा अवसर** था, जिसमें उन्होंने अपने **कला कौशल और वैज्ञानिक सोच** को प्रदर्शित किया।

रीमा तिग्गा
द्वितीय वर्ष 'अ'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

हर साल की तरह इस साल भी हमारे महाविद्यालय में **विज्ञान दिवस** का आयोजन किया गया। आमतौर पर विज्ञान दिवस **28 फरवरी** को मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष इसे **27 फरवरी 2026** को मनाया गया।

दिन की शुरुआत **स्वागत गीत** और उसके बाद **विज्ञान गीत** से की गई। इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि थे **संजय मिंज सर**, जिन्होंने विद्यार्थियों को विज्ञान और शोध के क्षेत्र में प्रोत्साहित किया। इसके बाद मुख्य अतिथि ने **रिबन काटकर विज्ञान प्रदर्शनी** का शुभारंभ किया और सभी विद्यार्थियों ने अपने-अपने स्थानों पर जाकर अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए।

इस वर्ष की विज्ञान प्रदर्शनी पिछले वर्षों की तुलना में **अत्यंत आकर्षक और ज्ञानवर्धक** रहा। प्रदर्शनी में कई नए और रोचक मॉडल देखने को मिले, जैसे **मानव तंत्र, सौर ऊर्जा प्रणाली, अफ्रीकन डॉल, नए तरह के कंकाल और अन्य शैक्षिक मॉडल्स**। इन मॉडल्स को देखकर हमें यह भी सीखने को मिला कि **समूह में मिलकर काम करना और टीम वर्क** कितना आवश्यक है। केवल तब ही किसी भी प्रोजेक्ट को सफलता पूर्वक पूरा किया जा सकता है।

मुख्य अतिथि **संजय मिंज सर** ने प्रत्येक समूह के काम को ध्यानपूर्वक देखा और बहुत से सुझाव भी दिए। उन्होंने हमारे अनुभव साझा किए और हमें प्रेरित किया। यह देखकर मुझे बहुत अच्छा लगा कि हमारे कार्य की सराहना हुई और हमें मार्गदर्शन भी मिला।

मुझे उम्मीद है कि भविष्य में भी ऐसे **प्रेरणादायक अतिथियों** को बुलाया जाए, जो हमें **विज्ञान के प्रति जागरूक करें और हमारे कार्यों को दिशा दें।**

उषा किरण टुडू
द्वितीय वर्ष 'ब'

विज्ञान दिवस का अनुभव

हमारा विज्ञान दिवस आमतौर पर **28 फरवरी** को मनाया जाता है, लेकिन इस वर्ष हमारे महाविद्यालय में **विज्ञान प्रदर्शनी 27 फरवरी 2026** को आयोजित की गई। इस अवसर पर हमारे मुख्य अतिथि थे **श्री संजय मिंज**।

हमें इस कार्यक्रम के लिए लगभग **एक महीना पहले** ही अपना विषय मिल गया था। हमारे समूह को **"हाइड्रोलिक मिसाइल सिस्टम"** पर मॉडल बनाना था। सभी सदस्य इस विषय को लेकर बहुत उत्साहित थे और पूर्ण विश्वास था कि हम इसे भली-भाँति पूरा करेंगे।

सबसे पहले हम सभी ने बाजार जाकर आवश्यक सामग्री खरीदी। यह अनुभव मेरे लिए बिल्कुल नया था। सभी सामग्रियों को एकत्र करने के बाद हमने अपना कार्य प्रारंभ किया। नींव तैयार करने के दौरान समूह में कुछ चुनौतियाँ आईं। कुछ सदस्यों में निराशा थी और कार्य में रुचि नहीं दिख रही थी। लेकिन हम सभी ने एक-दूसरे का मनोबल बढ़ाया और यह निर्णय लिया कि हम इस विज्ञान प्रदर्शनी को सफल बनाएँगे। **समूह में एकजुटता** होने के कारण हमने अपना कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया।

प्रदर्शनी के दिन मुझे अपने विषय को दर्शकों के सामने समझाने में थोड़ा संदेह और चिंता थी कि मैं इसे सही तरीके से समझा पाऊँगी या नहीं। लेकिन हम सभी ने एक-दूसरे की मदद की और अपने ज्ञान का साझा प्रयोग किया।

अंततः, **27 फरवरी को हमारी विज्ञान प्रदर्शनी सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई**, और इस अनुभव ने हमारे अंदर **आत्मविश्वास और टीमवर्क की भावना** को विकसित किया। यह मेरे लिए एक **बहुत ही यादगार और प्रेरणादायक अनुभव** रहा।

स्वाति हुरहुरिया
द्वितीय वर्ष 'ब'

My Experience of the Science Exhibition

The Science Exhibition at our college was held on **27th February 2026**. When we, the trainees of our college, first heard about the exhibition, everyone felt very excited. Along with excitement, we were also a little anxious about our topics and how to create and present our models effectively.

Our group was given the topic **"Hydraulic Missile System"**. We discussed and planned together how to make the model as accurate and informative as possible. It was a learning process, and we all contributed ideas and worked collaboratively to complete our project for the final presentation.

Participating in the Science Exhibition was a **very valuable experience**. I got many ideas from others, gained confidence, and learned how to **speak in front of an audience and share knowledge**. Being part of a group helped me grow in many ways. There were seven of us in the group, and each one had different roles and responsibilities. We supported each other and shared our ideas to make the project successful.

On the day of the exhibition, it was a wonderful feeling to explain our project to the visitors. I enjoyed **speaking about the topic and interacting with the audience**, and this experience boosted my confidence significantly.

Overall, everyone tried their best to present their projects. The exhibition was **inspiring, informative, and a very enjoyable experience**, and it taught us the value of teamwork, creativity, and effective communication.

Santrima Lakra
Second year 'B'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

हमारे महाविद्यालय में **27 फरवरी** को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार इसका **उत्साह और भी अधिक था**। इस प्रदर्शनी में सभी प्रशिक्षणार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। इसका **उद्घाटन श्री संजय मिंज** द्वारा किया गया।

विज्ञान प्रदर्शनी केवल मॉडल और कला दिखाने का अवसर नहीं है, बल्कि यह **नवीन विचारों और व्यावहारिक विज्ञान** का संगम प्रस्तुत करती है। रोबोटिक्स से लेकर पर्यावरण संरक्षण तक के मॉडल देखने को मिले, जो हमारी **सृजनात्मकता और सोचने की क्षमता** को बढ़ाते हैं।

यह विज्ञान प्रदर्शनी विज्ञान विभाग में मेरा **पहला अनुभव** रहा। जब हमें अपने समूह को **हाइड्रोलिक मिसाइल सिस्टम** का विषय मिला, तो मुझे थोड़ी शंका हुई कि क्या हम इसे बना पाएंगे। लेकिन बिना किसी डर के हमने **पूरा प्रयास किया**, और शिक्षकों के प्रोत्साहन ने हमारे अंदर उत्साह और आत्मविश्वास जगाया।

मॉडल बनाते समय हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, लेकिन हमने **डटकर सभी समस्याओं का समाधान** किया और पूरी मेहनत के साथ अपना मॉडल तैयार किया। इस अनुभव ने मुझे यह सिखाया कि **सहयोग और टीमवर्क से कठिन से कठिन कार्य भी सफलतापूर्वक किया जा सकता है**।

इस प्रदर्शनी से मुझे यह अनुभव भी मिला कि **नए-नए तकनीकी मॉडल तैयार करना और रचनात्मक सोच विकसित करना** सीखने योग्य है, और समूह में एकजुट होकर काम करने से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

प्रियंका हाँसदा,
द्वितीय वर्ष 'ब'

विज्ञान प्रदर्शनी का अनुभव

विज्ञान प्रदर्शनी मेरे लिए एक **बेहद अनोखा और यादगार अनुभव** रहा। इस प्रदर्शनी में हमें अपने समूह के साथ **जलविद्युत (Hydroelectric Power) का मॉडल** बनाना था। हमने इसे बनाने में **बहुत परिश्रम और लगन** लगाई। समूह के सभी सदस्यों ने अपने-अपने हिस्से में पूरी सहभागिता दिखाई।

जब हमारा मॉडल पूरी तरह तैयार हुआ, तो हमने इसका **परीक्षण** किया। लेकिन कुछ ही समय बाद मशीन ठीक से काम नहीं कर रहा था। इसके खराब होने पर हमारी टीम में थोड़ी निराशा छा गई और हम सभी एक-दूसरे की गलतियां निकालने लगे।

कुछ समय सोच-विचार और परस्पर सहयोग के बाद हमने समझा कि **सफलता वही पाता है जो बिना थके प्रयास करता है और अपने कौशल पर भरोसा रखता है**। इसके बाद हमने मशीन को फिर से तैयार किया और इस बार हमारा मॉडल **सही तरीके से कार्य करने लगा**। जब मॉडल पूरी तरह काम कर रहा था, तो हम सभी बहुत खुश हुए।

इस अनुभव ने मुझे यह सिखाया कि **कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती**। कठिनाइयाँ आती हैं, लेकिन धैर्य, सकारात्मक सोच और टीमवर्क से हर समस्या का समाधान संभव है। इस प्रदर्शनी ने हमारे अंदर **सृजनात्मकता, सहकार्य और आत्मविश्वास** बढ़ाने में बहुत मदद की।

मार्शल टुडू

Feedback

Feedback

PRIMARY TEACHERS'
EDUCATION COLLEGE
WELCOME TO
Feedback

Feedback

Feedback

WELCOME TO
Feedback

Feedback

Feedback

खरसांवा गोली कांड 1948

अभी भारत की स्वतंतता का सुमार उतरा भी न था कि खरसांवा में एक भयंकर गोली कांड को देशी डायरों ने अंजाम दे दिया। खरसांवा तब सिंहभूम क्षेत्र के एक रियासत के अधीन था।

स्वतंत्रता के बाद रियासतों को निर्णय लेना था कि वे भारत में किस राज्य के साथ विलय करेंगे। खरसांवा रियासत ने उड़ीसा में विलय करने का निर्णय लिया। यह निर्णय शुद्ध रूप से रियासत के शासकों द्वारा लिया गया। इसमें जनता से कोई सलाह-मशवरा नहीं लिया गया। विशेषकर वहाँ के आदिवासियों से जिनकी संख्या तब, वहाँ 75% से 85% तक थी। वहाँ के आदिवासी मुख्य रूप से हो, मुण्डा, संथाल, भूमिज आदि थे, जो चाहते थे कि खरसांवा का विलय बिहार में हो।

स्वतन्त्रता के तुरंत बाद 1947 में खरसांवा रियासत के शासकों ने उड़ीसा के साथ विलय के सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिया। इसकी खबर मिलते ही स्थानीय आदिवासियों ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया। गांवों में बैठकों एवं पारंपरिक संचार माध्यमों से लोगों को जागरूक किया जाने लगा। अंत में नेताओं ने लोगों से 1 जनवरी 1948 को, भारी संख्या में खरसांवा में जमा हो कर शांतिपूर्ण ढंग से बिरोध करते हुए इस निर्णय पर पुनः विचार करने का दबाव बनाने का आग्रह किया।

अत: 1 जनवरी 1948 को हजारों की संख्या में आदिवासी स्त्री-पुरुष और बच्चे खरसांवा में जमा हो कर शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करने लगे। स्थिति तब तनावपूर्ण हो गया जब स्थिति को नियंत्रण एवं अनुशासन बनाए रखने के नाम पर वहाँ भारी मात्रा में सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती की गई जिसकी परिनति गोली कांड में हो गई। शांतिपूर्ण आदिवासी आंदोलनकारियों पर अंधाधुन गोलियां चलाई गई। इसी कांड में सरकारी आंकड़ों के अनुसार 30-50 लोग मरे। लेकिन स्थानीय सूत्रों, प्रत्यक्ष दर्सियों एवं आदिवासी संस्थाओं के अनुसार सैकडों की संख्या में लोग मारे गए।

इस गोली कांड ने आदिवासियों को भय और क्रोध से मर दिया। उनका प्रशासन के प्रति विश्वास पूरी तरह समाप्त हो गया। अंततः इसी भावना ने आदिवासियों में अलग झारखण्ड राज्य की मांग को जन्म दिया है जिसकी परिनति 2000 ई॰ में अलग झारखण्ड राज्य के बनने से हुई। साथ ही खरसांवा को अंततः झारखण्ड में विलय कर दिया।

आज भी हर साल 1 जनवरी को हजारों की संख्या में आदिवासी खरसांवा में एकत्रित हो अपने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इस दिन को **'काला दिवस'** के रूप में याद करते हैं।

35 ADIBASIS KILLED IN KHARSAVAN

Police Fire on Demonstrators

ORISSA TAKES OVER ADMINISTRATION

Full Security to Minorities

अंग्रेजी दैनिक स्टेट्समैन का 3 जनवरी, 1948 का अंक

श्री सिप्रियन सुरीन
व्याख्याता